अति गोपनीय: (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)
सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा, 2026
मुख्य परीक्षा, 2026
अंक योजना - भूगोल-सैद्धांतिक (विषय कोड - 029)
(पेपर कोड - 64/3/2)

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने **2026** की परीक्षा से कक्षा **12** की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग **(OSM)** शुरू करने का फैसला किया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे को प्रभावित कर सकती हैं। गलतियों से बचने के लिए, यह अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, आपको स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ना और समझना चाहिए।
3	**मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित है। इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।**
4	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार मूल्यांकन किया जाना है। यह किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना अनिवार्य है। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, उत्तर जो नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या अभिनव हैं, उनका मूल्यांकन उनकी शुद्धता के लिए किया जा सकता है और इसके लिए उन्हें निर्धारित अंक दिए जाएंगे। 12 कक्षा में, योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और भले ही उत्तर अंकन योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता की गणना

	की गई हो, अंक दिए जाने चाहिए।
5	अकं - योजना में उत्तरो के लिए केवल सुझाए गए मूल्य पर बिन्दु शामिल हैं । ये केवल दिशा निर्देशों की प्रकृति में है और सम्पूर्ण उत्तर का गठन नहीं करते हैं । छात्रों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उचित अंक तदानुसार दिये जाने चाहिए।
6	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकन की गई पहली पांच उत्तर पुस्तिकाओं को देखना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है । यदि कोई भिन्नता है तो विचार विमर्श और चर्चा के बाद शून्य होना चाहिए । मूल्यांकन के लिए रखी गई शेष उत्तरपुस्तिकाएं यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएंगी कि व्यक्तिगत मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।
7	जब भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (☑) चिह्नित करेंगे। गलत उत्तर के लिए 'X' चिह्नित करें। मूल्यांकनकर्ता मूल्यांकन करते समय सही प्रकार (☑) का चिन्ह नहीं लगाएंगे जिससे यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया है। यह सबसे आम गलती है जो मूल्यांकनकर्ता कर रहे हैं।
8	यदि किसी प्रश्न के भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए (OSM Portal) दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ OSM सिस्टम द्वारा किया जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है, तो (OSM Portal) पर बाएं हाथ के मार्जिन में अंक दिए जाने चाहिए और उन्हें घेरे में लिखा जाना चाहिए। इसका कड़ाई से पालन भी किया जा सकता है।
10	यदि किसी छात्र ने एक अतिरिक्त प्रश्न का प्रयास किया है , तो अधिक अंक वाले प्रश्न का उत्तर के अंक बरकरार रखा जाना चाहिए और अन्य उत्तर के अंक के लिए अतिरिक्त प्रश्न लिखिए।
11	त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसे केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
12	अंकों का एक पूर्ण पैमाने**_70_** (उदाहरण प्रश्न पत्र में दिए गए 0-70 अंक) का उपयोग किया जाना है। कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें यदि उत्तर इसके

	योग्य है।
13	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य घंटों अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे के लिए मूल्यांकन कार्य करना होता है और मुख्य विषयों में प्रति दिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रति दिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होता है (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या को देखते हुए है।.
14	सुनिश्चित करें कि आप पूर्व में परीक्षक द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियां नहीं करते हैं: ● उत्तर सही के (☑) रूप में चिह्नित हैं, लेकिन अंक नहीं दिए गए हैं। (सुनिश्चित करें कि सही सही का निशान सही और स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है। यह केवल एक पंक्ति में होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X के साथ भी ऐसा ही है।) ● उत्तर के आधे या एक भाग को सही और शेष को गलत के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
15	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
16	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों से खुद को परिचित करना चाहिए।.
17	बोर्ड उम्मीदवारों को आरटीआई आवेदन में अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है और प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के एक भाग के रूप में अलग से भी। परिक्षक / अतिरिक्त मुख्य परीक्षको को पुनः स्मरण कराया जाता है कि वे सुनिश्चित करे कि मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिन्दुओं के अनुसार ही किया गया है।

अंक योजना

मुख्य परीक्षा, 2026

विषय - भूगोल- सैद्धांतिक (029)

(पेपर कोड - 64/3/2)

सेट-2 **अधिकतम अंक :70**

Q.No.	अपेक्षित उत्तर /मूल्य बिंदु	पा. पु. पृष्ठ संख्या	अंक वितरण
	खण्ड क **प्रश्न संख्या 1 से 17 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न है।**		**17x1=17**
1	(D) राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र	**TB-III Pg 103**	**1**
2	(A) कृषि मंत्रालय	**TB-II Pg 104**	**1**
3	(C) मनाली और लाहौल-स्पीति	**TB-II Pg 78**	**1**
4	(D) केवल II, III और IV सही हैं ।	**TB-I Pg 42**	**1**
5	(A) a-iii, b-i, c-iv, d-ii	**TB-I Pg 75-76**	**1**
6	(A) केवल I, II और III सही हैं ।	**TB-I Pg 41**	**1**
7	(D) कागज	**TB-I Pg 39**	**1**
8	(B) तैल पत्तन	**TB-I**	**1**

		Pg 75	
9	(D) वह व्यक्ति जो वर्ष में कम से कम 183 दिन काम करता है।	**TB-II Pg 11**	**1**
10	(B) असम और ओडिशा	**TB-II Pg 108**	**1**
11	(B) केवल I, II और IV सही हैं ।	**TB-I Pg 20**	**1**
12	(B) रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ करना	**TB-II Pg 77**	**1**
13	(D) सार्थक जीवन	**TB-I Pg 14**	**1**
14	(D) देश में सामाजिक विविधता	**TB-I Pg 72**	**1**
	दी गई तालिका का ध्यान पूर्वक अध्ययन कीजिए और प्रश्न संख्या 15 से 17 तक के उत्तर लिखिए: **चयनित देशों का मानव विकास सूचकांक (2022)** क्र. स. / देश / *मानव विकास सूचकांक मूल्य (2022)* 1. भूटान 0·681 2. बुल्गारिया 0·799 3. मॉरीशस 0·796 4. सिंगापुर 0·949 5. स्वीडन 0·952 6. वेनेजुएला 0·699		
15	**निम्नलिखित में से कौन सा देश मानव विकास सूचकांक में सबसे उत्तम है ?** (D) सिंगापुर		**1**
16	**निम्नलिखित देशों को उनके मानव विकास सूचकांक के**		

	अनुसार अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए। (C) III, II, I, IV		**1**
17	**दी गई तालिका में निम्नलिखित में से किस महाद्वीप के देशों की संख्या सबसे अधिक है?** (A) एशिया या (C) यूरोप **नोट: यदि परीक्षार्थी निम्नलिखित दोनों विकल्पों में से कोई एक लिखता है तो अंक दिए जाएंगे।**		**1**
	खण्ड ख **प्रश्न संख्या 18 एवं 19 स्रोत आधारित प्रश्न है।**		**2x3=6**
18	**दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नो के उतर दीजिये:** **जल प्रदूषण** **जल प्रदूषण विभिन्न प्रकार की जल-जनित बीमारियों का एक प्रमुख स्रोत होता है। संदूषित जल के उपयोग के कारण प्रायः दस्त (डायरिया), आँतों के कृमि, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियाँ होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट दर्शाती है कि भारत में लगभग एक-चौथाई संचारी रोग जल-जनित होते हैं। यद्यपि नदी प्रदूषण सभी नदियों से संबंधित है, लेकिन गंगा नदी जो भारत के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से होकर बहती है, का प्रदूषण सभी के लिए चिंता का विषय है। गंगा नदी की स्थिति में सुधार के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर गंगा सफ़ाई राष्ट्रीय अभियान शुरू किया गया था। वर्तमान 'नमामि गंगे' कार्यक्रम इसी से संबंधित है।** **18.1 जल प्रदूषण के प्रमुख कारण का वर्णन कीजिए।** **i.** वाहित मल निपटान **ii.** नगरीय वाही जल **iii.** उद्योगों के विषाक्त		

	iv. कृषित भूमि के ऊपर से बहता जल बहि:स्त्राव तथा **v.** नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र **vi.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **1** **(किसी एक बिंदु की व्याख्या अपेक्षित है।)** **18.2 नमामि गंगे कार्यक्रम की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।** **i.** गंगा नदी की सफाई और प्रदूषण को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए नमामि गंगा कार्यक्रम शुरू किया गया था। **ii.** शहरों में सीवर ट्रीटमेंट की व्यवस्था कराना। **iii.** औद्योगिक प्रवाह की निगरानी। **iv.** नदियों का विकास। **v.** नदी के किनारों पर वनीकरण जिससे जैवविविधता में वृद्धि हो। **vi.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **½+½=1** **(किन्ही दो विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित है।)** **18.3 मानव स्वास्थ्य पर जल प्रदूषण के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।** **i.** जल प्रदूषण विभिन्न प्रकार की जल जनित बीमारियों का एक प्रमुख स्रोत होता है। **ii.** संदूषित जल के उपयोग के कारण प्रायः दस्त (डायरिया), आँतों के कृमि, हेपेटाइटिस जैसी बीमारियाँ होती हैं। **iii.** भारत में लगभग एक-चौथाई संचारी रोग जल-जनित होते हैं। **iv.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **1** **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**		**1+1+1=3**

19	**दिए गए मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिये और उसके नीचे दिए गए प्रश्नो के उतर दीजिये।** 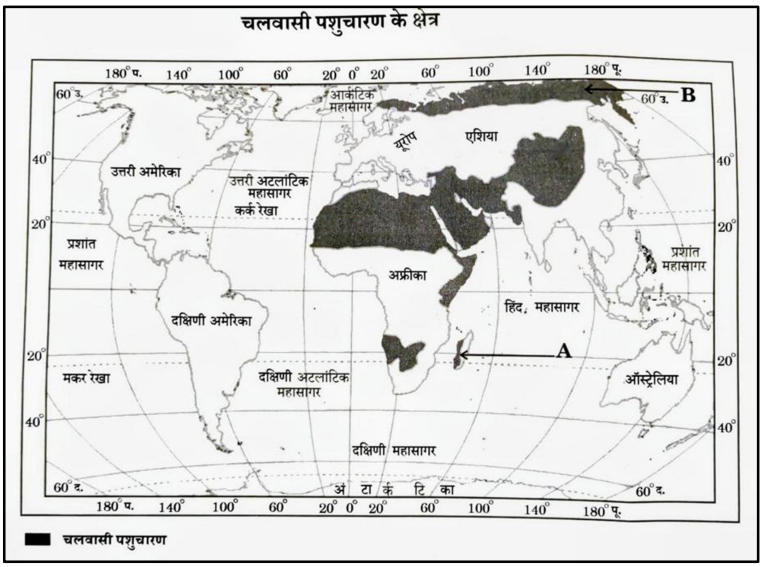 **19.1 मानचित्र पर 'A' अंकित चलवासी पशुचारण क्षेत्र की पहचान कीजिए।** मेडागास्कर 1 **19.2 मानचित्र पर अंकित 'B' क्षेत्र में पाले जाने वाले प्रमुख पशु का नाम लिखिए।** रैंडियर 1 **19.3 विश्व में चलवासी पशुचारण की प्रमुख विशेषता का वर्णन कीजिए।** **i.** चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन-निर्वाह व्यवसाय हैं। **ii.** इसमें पशुचारक अपने भोजन, वस्त्र, शरण, औजार एवं यातायात के लिए पशुओं पर ही निर्भर रहता था। **iii.** वे अपने पालतू पशुओं के साथ पानी एवं चरागाह की उपलब्धता एवं गुणवत्ता के अनुसार एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होते		

	रहते थे। **iv.** इन पशुचारक वर्गों के अपने-अपने निश्चित चरागाह क्षेत्र होते थे। **v.** भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कई प्रकार के पशु पाले जाते हैं। **vi.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। 1 **(किसी एक बिंदु का वर्णन अपेक्षित है।)** **निम्लिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर है।** **विश्व में 'आखेट एवं भोजन संग्रहण' की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।** **i.** भोजन संग्रह एवं आखेट प्राचीनतम ज्ञात अर्थिक क्रियाएँ हैं। **ii.** विश्व के विभिन्न भागों में यह कार्य विभिन्न स्तरों पर विभिन्न रूपों में किया जाता है। **iii.** यह कार्य कठोर जलवायुविक दशाओं में किया जाता है। **iv.** इसे अधिकतर आदिमकालीन समाज के लोग करते हैं। ये लोग अपने भोजन, वस्त्र एवं शरण की आवश्यकता की पूर्ति हेतु पशुओं एवं वनस्पति का संग्रह करते हैं। **v.** इस कार्य के लिए बहुत कम पूँजी एवं निम्न स्तरीय तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है। **vi.** इसमें भोजन अधिशेष भी नहीं रहता है एवं प्रति व्यक्ति उत्पादकता भी कम होती है। **vii.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन विशेषताओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित है।)**	**1+1+1=3** **TB I Pg-21-22** **3x1=3**
	खण्ड ग		**4x3=12**

	प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं।		
20	**संभववाद की संकल्पना की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये।** **i.** समय के साथ लोग अपने पर्यावरण और प्राकृतिक बलों को समझने लगते हैं। **ii.** अपने सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ मानव बेहतर और अधिक सक्षम प्रौद्योगिकी का विकास करते हैं। **iii.** वे अभाव की अवस्था से स्वतंत्रता की अवस्था की ओर अग्रसर होते हैं। **iv.** पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा वे सम्भावनाओं को जन्म देते हैं। **v.** मानवी क्रियाएँ सांस्कृतिक भूदृश्य की रचना करती हैं। **vi.** मानवी क्रियाओं की छाप सर्वत्र है- उच्च भूमियों पर स्वास्थ्य विश्रामस्थल, विशाल नगरीय प्रसार, खेत, फलोद्यान मैदानों व तरंगित पहाड़ियों में चरागाहें, तटों पर पत्तन और महासागरीय तल पर समुद्री मार्ग तथा अंतरिक्ष में उपग्रह इत्यादि। **vii.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**TB-I** **Pg.3**	**3x1=3**
21	**दिए गए आरेख का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके नीचे दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:**		

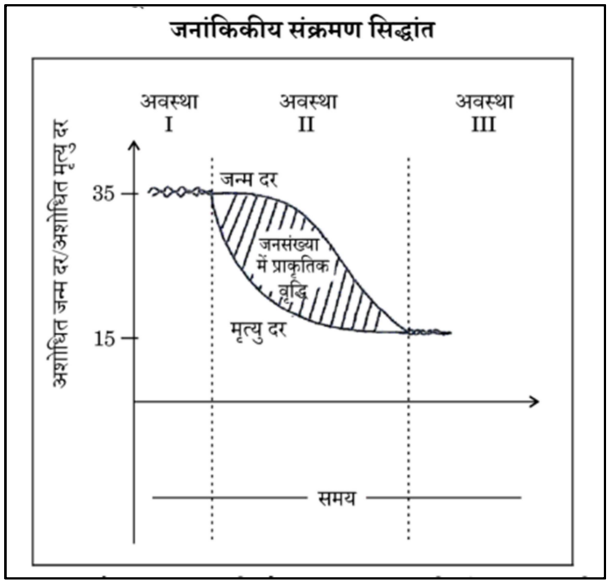

जन्मदर, मृत्यु दर, और जनसंख्या वृद्धि के आधार पर जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत की प्रथम अवस्था (I) की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।

i. **<u>जन्मदर</u> -** पहले चरण में उच्च प्रजननशीलता दर अधिक होती है क्योंकि लोग मरने वालों की क्षतिपूर्ति के लिए अधिक प्रजनन करते हैं।

ii. **<u>मृत्यु दर</u> -** पहला चरण उच्च मृत्यु दर का होता है और इसका कारण है महामारियों और अनिश्चित खाद्य आपूर्ति।

iii. **<u>जनसंख्या वृद्धि</u>** धीमी होती है और अधिकांश लोग खेती में कार्यरत होते हैं। जहाँ बड़े परिवारों को परिसंपत्ति माना जाता है।

iv. 200 वर्ष पूर्व विश्व के सभी देश इसी अवस्था में थे।

v. कोई अन्य संबंधित बिंदु।

(किन्ही तीन विशेषताओं की व्याख्या अपेक्षित हैं।)

	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टि बाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 21 के स्थान पर है। **'जनांकिकीय चक्र' की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिये।** **i.** जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत का उपयोग किसी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भविष्य की जनसंख्या के पूर्वानुमान के लिए किया जा सकता है। **ii.** यह सिद्धांत हमें बताता है कि किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म व निम्न मृत्यु में परिवर्तित होती है। **iii.** इस तरह समाज ग्रामीण, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय औद्योगिक और साक्षर बनता है। **iv.** ये परिवर्तन तीन अवस्थाओं में होते हैं जिन्हें सामूहिक रूप से जनांकिकीय चक्र के रूप में जाना जाता है। **v.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन विशेषताओं की व्याख्या अपेक्षित हैं।)**	**TB I** **Pg-10**	**3x1=3** **3x1=3**
22	**(क) "भारत के किशोर लोगों में उच्च संभावनाएं हैं, लेकिन वे काफी सुभेद्य हैं।" इस कथन की व्याख्या कीजिए।** किशोर जनसंख्या यद्यपि उच्च सम्भावनाओं से युक्त युवा जनसंख्या मानी जाती है यदि उन्हें समुचित ढंग से मार्गदर्शित और दिशा निर्देशित न किया जाए तो वो काफी		

	सुभेद्य होते हैं। **जहाँ तक इन किशोरों का सम्बन्ध है समाज के समक्ष अनेक चुनौतियाँ हैं जिनमें से कुछ इस प्रकार है :** **i.** विवाह की निम्न आयु **ii.** निरक्षरता, विशेषतः स्त्री निरक्षरता **iii.** विद्यालय विरतछात्र (school dropout), **iv.** पोषकों की निम्न ग्राह्यता, **v.** किशोरी माताओं में उच्च मातृ मृत्यु दर **vi.** एच.आई.वी./एड्स के संक्रमण की उच्च दरें **vii.** शारीरिक और मानसिक अपंगता अथवा मंदता **viii.** औषध दुरुपयोग और मदिरा सेवन **ix.** किशोर अपचार और अपराध करना इत्यादि हैं। **x.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **अथवा** **(ख)" भारतीय सरकार ने कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई है।" नीति की आवश्यकता की व्याख्या कीजिये।** **i.** भारत सरकार ने 2015 में कौशल विकास तथा उद्यमिता के लिए नीति बनाई। **ii.** इसका उद्देश्य देश भर में हो रही कौशल से संबंधित गतिविधियों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना है। **iii.** इन सभी गतिविधियों को एक मानक के साथ बाँधना तथा विभिन्न कौशलों को इनके भाग-केंद्रों के साथ जोड़ना है। **iv.** इसे हमारे विशाल युवा और किशोर जनसंख्या के समग्र विकास की देखरेख हेतु अभिकल्पित किया गया है।	**TB-II** **Pg. 8** **TB-II**	**3x1=3**

	v. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**Pg. 8**	**1x3=3**
23	**भारत में पल्लीकृत ग्रामीण बस्तियों की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।** **i.** ये बस्तियाँ भौतिक रूप से एक दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में बंट जाती है किंतु उन सबका नाम एक रहता है। **ii.** इन इकाइयों को देश के विभिन्न भागों में स्थानीय स्तर पर पान्ना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाणी इत्यादि कहा जाता है। **iii.** किसी विशाल गांव का ऐसा खंडीभवन प्रायः सामाजिक एवं मानवजातीय कारकों द्वारा अभिप्रेरित होता है। **iv.** ऐसे गांव मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़, और हिमालय की निचली घाटियों में बहुतायत में पाए जाते हैं। **v.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही तीन बिंदुओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित है।)**	**TB-II** **Pg. 16**	**3x1=3**
	खंड-घ **प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं।**		**5x5=25**
24	**"चिकित्सा पर्यटन में भारत का विश्व में महत्वपूर्ण स्थान है।" उपयुक्त तर्क देकर इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** **i.** चिकित्सा उपचार को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि से संबद्ध कर दिया जाता है तो इसे सामान्यतः चिकित्सा पर्यटन कहा जाता है और भारत विश्व में चिकित्सा पर्यटन में अग्रणी देश बन कर उभरा है। **ii.** 2005 में संयुक्त राज्य अमेरिका से उपचार के		

	लिए 55,000 रोगी भारत आऐ। **iii.** महानगरों में अवस्थित विश्वस्तरीय अस्पताल संपूर्ण विश्व के रोगियों का उपचार करते हैं। **iv.** भारत जैसे विकासशील देशों को चिकित्सा पर्यटन से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। **v.** अस्पताल विकिरण बिंबो के अध्ययन से लेकर चुंबकीय अनुनाद बिंबो के निर्वचन और पराश्रव्य परीक्षणों तक की विशिष्ट चिकित्सा सुविधाओं को उपलब्ध करा रहे हैं। **vi.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं पांच बिंदुओं की न्यायसंगत व्याख्या अपेक्षित है।)**	**TB-I Pg.49 - 50**	**5x1=5**
25	**(क) "स्वतंत्रता प्राप्ति के समय से भारत में कृषि के विकास की परख कीजिए।** **i.** स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद सरकार का तत्कालीन उद्देश्य खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाना था। **ii.** व्यापारिक फसलों की जगह खाद्यान्नों का उगाया जाना, कृषि गहनता को बढ़ाना, तथा कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना। **iii.** 1950 के दशक के अंत तक कृषि उत्पादन स्थिर हो गया था। इस समस्या से उभरने के लिए गहन कृषि जिला कार्यक्रम (IADP) तथा गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम (IAAP) प्रारंभ किए गए। **iv.** 1960 के दशक के मध्य में गेहूं (मेक्सिको) तथा चावल (फ़िलीपींस) की किस्में, कृषि के लिए अधिक उत्पादन देने वाली नई किस्में थीं, कृषि के लिए उपलब्ध हुई।		

	v. भारत ने इसका लाभ उठाया तथा पैकेज प्रौद्योगिकी के रूप में पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तथा गुजरात के सिंचाई सुविधा वाले क्षेत्रों में रासायनिक खाद के साथ इन उच्च उत्पादकता(HYV) की किस्मो को अपनाया। **vi.** विकास की इस नीति से खाद्यान्नों के उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। **vii.** कृषि उत्पादन में इस अभूतपूर्व वृद्धि को हरित क्रांति के नाम से जाना जाता है। **viii.** 'हरित क्रांति' ने कृषि में प्रयुक्त कृषि निवेश,- जैसे उर्वरक, कीटनाशक, कृषि यंत्र आदि, कृषि आधारित उद्योगों तथा छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन दिया। **ix.** खाद्यान्नों के उत्पादन में, देश आत्मनिर्भर हुआ। **x.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही पाँच बिंदुओं की परख अपेक्षित है।)** **अथवा** **(ख) भारतीय कृषि की विभिन्न समस्याओं की परख कीजिए।** **i. अनियमित मानसून पर निर्भरता:** भारत में कृषि क्षेत्र का केवल एक तिहाई (33%) भाग ही सिंचित है। शेष में फसलों का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से वर्षा पर निर्भर है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखा एक सामान्य परिघटना है।	**TB-II Pg.34-35**	**5x1=5**

	ii. **निम्न उत्पादकता:** अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अपेक्षा भारत में फसलों की उत्पादकता कम है। भूसंसाधनों पर अधिक दबाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में भारत में श्रम उत्पादकता भी बहुत कम है। iii. **वित्तीय संसाधनों की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता:** आधुनिक कृषि में लागत बहुत आती है। सीमांत और छोटे किसानों की कृषि की बचत बहुत कम या ना के बराबर है। अतः वे सघन संसाधन दृष्टिकोण से की जाने वाली कृषि में निवेश करने में असमर्थ हैं। iv. **भूमि सुधारों की कमी:** भूमि सुधारों के लागू न होने के परिणामस्वरूप कृषि योग्य भूमि का समान वितरण जारी रहा जिससे कृषि के विकास में बाधा रही है। v. **छोटे खेत तथा विखंडित जोत:** विखंडित व छोटे भूजोत आर्थिक दृष्टि से अलाभकारी हैं। vi. **वाणिज्यीकरण का अभाव:** अधिकतर किसान अपनी जरूरत या स्वयं उपभोग हेतु फसलें उगाते हैं। यद्यपि सिंचित क्षेत्रों में कृषि का आधुनिकीकरण तथा वाणिज्यीकरण हो रहा है। vii. **व्यापक अल्प रोज़गारी:** भारतीय कृषि में विशेषकर असिंचित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अल्प रोजगारी पाई जाती है। फसल ऋतु में भी वर्ष भर रोज़गार उपलब्ध नहीं होता क्योंकि कृषि कार्य लगातार गहन श्रम वाले नहीं होते हैं। viii. **कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण:** भूमि संसाधनों का निम्नीकरण सिंचाई और कृषि विकास की		

	दोषपूर्ण नीतियों से उत्पन्न हुई समस्याओं में से एक गंभीर समस्या है। कृषि भूमि का एक बड़ा भाग जलाक्रांतता, लवणता तथा मृदा क्षारता के कारण बंजर हो चुका है।कीटनाशक रसायनों के अधिक प्रयोग से मृदा परिच्छेदिका में ज़हरीले तत्वों का सांद्रण हो गया है। **ix.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही पाँच समस्याओं की परख अपेक्षित है।)**	**TB-II Pg. 37 -39**	**5x1=5**
26	**(क) भारत में आजादी के बाद से कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा प्रौद्योगिकी में सुधार की व्याख्या कीजिए।** **कृषि उत्पादन में वृद्धि** **i.** बहुत-सी फसलों जैसे- चावल तथा गेहूँ के उत्पादन तथा पैदावार में प्रभावशाली वृद्धि हुई है। **ii.** अन्य फ़सलों मुख्यतः गन्ना, तिलहन तथा कपास के उत्पादन में भी प्रशंसनीय वृद्धि हुई है। **iii.** सिंचाई के प्रसार ने देश में कृषि उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **iv.** देश में कुल सिंचित क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है। **v.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **3** **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **कृषि प्रौद्योगिकी में सुधार** **i.** इसने आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी जैसे बीजों की उत्तम किस्में, रासायनिक खादों, कीटनाशकों तथा मशीनरी के प्रयोग के लिए आधार प्रदान किया है। **ii.** साठ के दशक के मध्य से रासायनिक उर्वरकों की खपत में भी 15 गुना वृद्धि हुई है।		

	iii. देश में 1960 के दशक से कीटनाशको की खपत में भी महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। iv. भारत का किसान पोर्टल कृषि से संबंधित किसी भी जानकारी की तलाश के लिए किसानों के लिए एक मंच है। किसानों के बीमा, कृषि भंडारण, फसलों, विस्तार गतिविधियों, बीजों, कीटनाशकों, कृषि मशीनरी आदि पर विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है। v. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **2** **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **अथवा** **(ख) भारत में कॉफ़ी की भौगोलिक आवश्यकताओं और उत्पादन की व्याख्या कीजिए।** **भौगोलिक आवश्यकताएं:-** i. कॉफ़ी एक उष्ण कटिबंधीय रोपण कृषि है। ii. इसके बीजों को भूनकर पीसा जाता है तथा एक पेय के रूप में प्रयोग किया जाता है। iii. पश्चिम घाट की उच्च भूमि पर कॉफ़ी की कृषि की जाती है। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **3** **(किन्ही तीन बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **भारत में काफ़ी का उत्पादन:-**	**TB-II Pg. 36 -37**	**3+2=5**

	i. भारत अधिकतर उत्तम किस्म की 'अरेबिका' कॉफ़ी का उत्पादन करता है, जिसकी अंतर्राष्टीय बाजार में बहुत माँग हैं। ii. भारत में विश्व का केवल 3.17 प्रतिशत कॉफ़ी का उत्पादन होता है और भारत का विश्व में आठवाँ स्थान हैं। iii. देश के समस्त कॉफ़ी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग अकेले कर्नाटक राज्य से आता है। iv. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **2** **(किन्ही दो बिंदुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**TB-II Pg. 34**	**3+2=5**
27	**(क) "भारत में ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोत समान रूप से वितरित हैं।" उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** i. **नाभिकीय ऊर्जा:** नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज यूरेनियम और थोरियम हैं। यूरेनियम निक्षेप धारवाड़ शैलों में पाए जाते हैं। भौगोलिक रूप से यूरेनियम अयस्क सिंहभूम ताँबा पट्टी के साथ अनेक स्थानों पर मिलते हैं। यह राजस्थान के उदयपुर, अलवर, झुंझुनू जिलों, मध्य प्रदेश के दुर्ग जिले, महाराष्ट्र के भंडारा जिले तथा हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में भी पाया जाता है। थोरियम मुख्यतः केरल के तटीय क्षेत्र की पुलिन बीच (beach) की बालू में मोनाजाइट एवं इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है। ii. **सौर ऊर्जा:** फोटोवोल्टाइक सेलों में विपाशित सूर्य		

	की किरणों को ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है जिसे सौर ऊर्जा के नाम से जाना जाता है।भारत के पश्चिमी भागों गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएँ हैं। iii. **पवन ऊर्जा:** भारत मे पवन ऊर्जा के लिए राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान हैं। iv. **ज्वारीय तथा तरंग ऊर्जा:** भारत के पास तटों के साथ ज्वारीय ऊर्जा विकसित करने की व्यापक संभावनाएँ हैं। v. **भूतापीय ऊर्जा:** भूतापीय ऊर्जा भारत में भूतापीय ऊर्जा संयंत्र हिमाचल प्रदेश के मनीकरण में अधिकृत किया जा चुका है। vi. **जैव ऊर्जा:** जैव ऊर्जा अपशिष्ट एवं कूड़ा-कचरा प्रक्र मत करके ऊर्जा उत्पादन करता है। नगर पालिका कचरे को ऊर्जा में बदलने वाली ऐसी ही एक परियोजना नई दिल्ली के ओखला में स्थित है। vii. कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं पांच बिंदुओं की न्यायसंगत व्याख्या अपेक्षित है।)** **अथवा** **(ख) "समाप्यता के कारण ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों को बदलने की आवश्यकता है। " उपयुक्त तर्कों सहित इस कथन को न्यायसंगत ठहराइए।** i. कोयला,पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस जैसे खनिज	**TB-II Pg. 61,63**	**5x1=5**

	ईंधन (जो जीवाश्म ईंधन के रूप में जाने जाते हैं), परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा के परंपरागत स्रोत हैं। **ii.** कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा नाभिकीय ऊर्जा जैसे जीवाश्म ईंधन के स्रोत समाप्य कच्चे माल का प्रयोग करते हैं जिन्हें बनने में करोड़ों वर्ष लगते हैं। **iii.** तीव्र औद्योगिकरण और बढ़ती मांग के कारण ये तेज़ी से कम हो रहे हैं। **iv.** ये ऊर्जा के महँगे साधन हैं। **v.** ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के प्रयोग के कारण बड़ी मात्रा में अपशिष्ट के साथ-साथ अन्य पर्यावरणीय समस्याएं भी पैदा हो गई है। **vi.** ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा,पवन ,तरंग ,भूतापीय आदि का प्रयोग किया जाना चाहिए। **vii.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्हीं पांच बिंदुओं की न्यायसंगत व्याख्या अपेक्षित है।)**	**TB-II Pg. 57, 61,64**	**1x5=5**
28	**(क) "विश्व भर में सड़कें देश के वाणिज्य एवं व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।" उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** **i.** छोटी दूरियों के लिए सड़क परिवहन रेल परिवहन की अपेक्षा आर्थिक दृष्टि से लाभदायक होता है। **ii.** सड़कों द्वारा माल का परिवहन महत्वपूर्ण होता जा रहा है क्योंकि इसके द्वारा घर-घर तक		

	वस्तुओं को पहुंचाया जा सकता है। **iii.** सड़कें विशाल और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को कम लागत पर पूरा कर पाती हैं। **iv.** इस प्रकार सड़कें किसी भी देश के व्यापार और वाणिज्य को विकसित करने एवं पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। **v.** विकसित देशों में अच्छी गुणवत्ता वाली सड़कें सर्वत्र पाई जाती हैं और तीव्रगामी संचलन के लिए मोटर मार्गो आटोवाहन (जर्मनी) और अंतर राज्यीय राजमार्गों के द्वारा लंबी दूरियों को जोड़ती हैं। भारी बोझ को ढोने वाली बड़े आकार और शक्ति वाली लौरियाँ एक सामान्य बात है। **vi.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही पाँच उदाहरणों की व्याख्या अपेक्षित है।)** **अथवा** **(ख) "विश्व में रेलमार्ग लंबी दूरी तक स्थूल वस्तुओं और यात्रियों के स्थल परिवहन का साधन है।" उदाहरणों सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए।** **i.** यूरोप में विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है। जिनमें से अधिकांश दोहरे अथवा बहुमार्गी हैं। औद्योगिक प्रदेश विश्व के कुछ सर्वाधिक घनत्वों का प्रदर्शन करते हैं। लंदन, पैरिस, ब्रुसेल्स, मिलान, बर्लिन, और वारसा महत्वपूर्ण रेल केंद्र हैं। **ii.** यूराल के पश्चिम में अत्यन्त सघन जाल से युक्त रूस में रेलमार्गों के द्वारा देश के कुल परिवहन का लगभग 90 % भाग प्रबंधित होता है।	**TB-I** **Pg. 55**	**1x5=5**

	iii. उत्तरी अमेरिका में सर्वाधिक विस्तृत रेलमार्ग तंत्र है, जो विश्व के कुल रेल मार्गों का लगभग 40% है और इसका प्रयोग लंबी दूरी के स्थूल पदार्थों जैसे अयस्क , अनाज ,इमारती लकड़ी तथा मशीनरी आदि के परिवहन हेतु अधिक होता है। **iv.** कनाडा में रेलमार्ग सार्वजनिक सेक्टर में है, और पूरे विरल जनसंख्या वाले क्षेत्रों में वितरित हैं। महाद्वीप पारीय रेलमार्गों के द्वारा गेहूं एवं कोयले के बाहर के अधिकांश भाग का परिवहन किया जाता है। **v.** ऑस्ट्रेलिया में लगभग 40,000 km लंबे रेल मार्ग हैं जिसका 25% अकेले न्यू साउथ वेल्स में पाया जाता है। **vi.** दक्षिणी अमेरिका में रेलमार्ग दो प्रदेशों में सघन हैं, जिनके नाम हैं अर्जेंटीना के पम्पास तथा ब्राज़ील के कॉफी उत्पादक प्रदेश। **vii.** एशिया में जापान, चीन, और भारत के सघन बसे क्षेत्रों में रेलमार्गों का सघनतम घनत्व पाया जाता है। **viii.** कोई अन्य संबंधित बिंदु। **(किन्ही पाँच उदाहरणों की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**TB-I Pg. 56-57**	**5x1=5**
	खंड-ड़ **प्रश्न संख्या 29 एवं 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं।**		**2x5=10**
29	कृप्या सलंग्न मानचित्र को देखिए।		

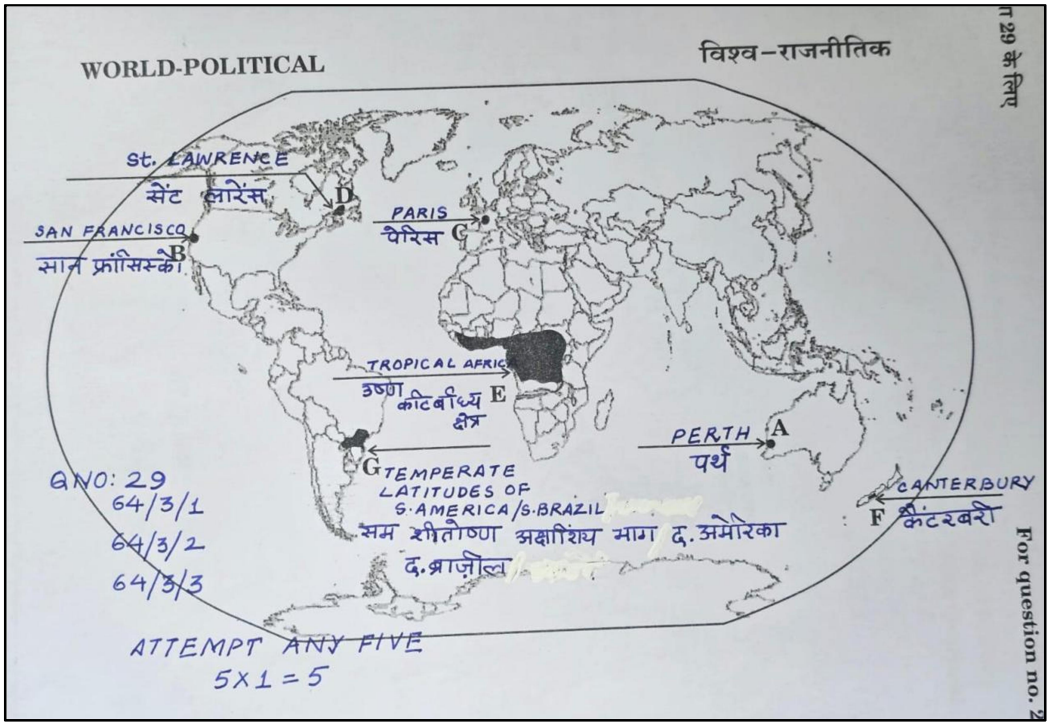

नोट: केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर।

29.1 पर्थ

29.2 सैन फ्रांसिस्को

29.3 पेरिस

29.4 सेंट लॉरेंस

29.5 उष्णकटिबंधीय अफ्रीका

29.6 कैंटरबरी

29.7 समशीतोष्ण अक्षांश वाले भाग / दक्षिणी ब्राजील

(कोई पाँच) **1x5=5**

30 **कृप्या सलंग्न मानचित्र को देखिए।**

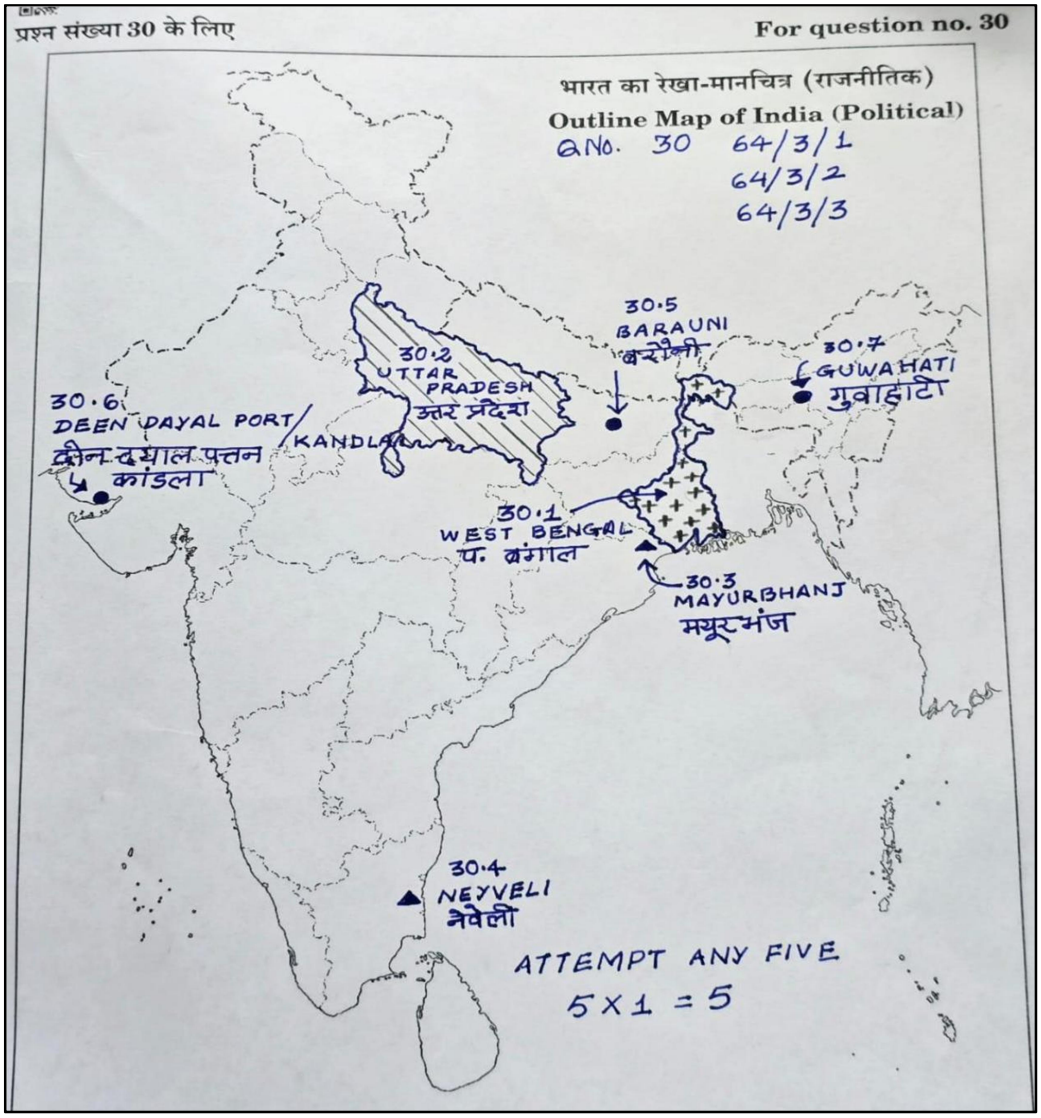

नोट: केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर।

30.1 पश्चिम बंगाल

30.2 उत्तर प्रदेश

30.3 मयूरभंज

30.4 नेवेली

30.5 बरौनी

30.6 कांडला (दीनदयाल पतन)

30.7 गुवाहाटी

(कोई पाँच) **5x1=5**